RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 2 अंक : 7 | लखनऊ, रविवार, 6 जनवरी 2019 से 5 फरवरी 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

Camera Care

Drone and Camera service center

Authorized Service and Collection Center

JVC TAMRON PHOTOQUIP

Our Services

• Service and Repair • Spare Parts and Accessories • Sale and Purchase Second Hand Cameras

dji SONY Nikon Canon Kodak FUJIFILM Panasonic SIGMA SAMSUNG

UGF-F3, Surya Market, Ganeshganj, Aminabad Road, Lucknow - 226018. Ph: 0522-4045174, 9335026968.

Timing 10:30 am to 8:30 pm

Thursday Closed

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियों,

साथियों नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ हम 21वीं सदी के 19वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। सभी साथियों के लिए नववर्ष खुशियां लेकर आए ऐसी कामना करते हैं। आप अपने फोटोग्राफी व्यवसाय को नए-नए उत्पादों द्वारा अपने व्यापार को एक नई बुलंदियों पर ले जाएं, ऐसी हमारी कामना है।

यह वर्ष तकनीक के रूप में अहम वर्ष माना जाएगा ऐसी उम्मीद करते हैं। कम्पनियां नए-नए उत्पाद मार्केट में लेकर आ रही हैं। उनको सीखने के लिए हमें तकनीकी रूप से मजबूत होना पड़ेगा। वह समय आ गया है कि फोटोग्राफर भाइयों को पहले उस उत्पाद के बारे में अधिक से अधिक जानकारी जुटानी होगी अन्यथा वह उत्पाद का इस्तेमाल सही रूप से नहीं कर पाएगा तथा उसका पैसा और समय दोनों बर्बाद होगा। इसलिए कोई भी उत्पाद मार्केट में नया आता है तो उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करें। कंपनियां जो उत्पाद मार्केट में लांच करने वाली होती है या लांच कर चुकी होती है उसके लिए वर्कशॉप का आयोजन करती हैं, आप उन वर्कशॉप में जाकर या कम्पनी के विशेषज्ञों द्वारा अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जानकारी प्राप्त करने के पश्चात ही आप यह निर्णय लें कि आपको कौन सा और किस कंपनी का उत्पाद आपको लेना है। कभी-कभी कम मूल्य का उत्पाद भी हमारा कार्य कर सकता है परन्तु जानकारी नहीं होने के कारण हम ज्यादा मूल्य का उत्पाद खरीद लेते हैं। केवल उत्पाद से आप अच्छा कार्य कर पाएंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। इसके लिए जो उत्पाद का इस्तेमाल करेगा, उसका कार्य बहुत मायने रखता है। अतएव उत्पादों का अपडेट तो करिए ही परन्तु उससे पहले अपने आप को अपडेट करना अति आवश्यक है। कंपनी के एक्सपर्ट्स द्वारा उस उत्पाद की जानकारी प्राप्त करें क्योंकि कंपनी के व्यक्ति द्वारा आप जो जानकारी प्राप्त करेंगे उससे आपको सही मार्गदर्शन मिलेगा।

भारतवर्ष में वेडिंग फोटोग्राफर या वेडिंग फोटोग्राफी का एक बहुत बड़ा मार्केट है इसलिए ज्यादातर कंपनियां वेडिंग फोटोग्राफर को ध्यान मे रखकर नए-नए उत्पाद मार्केट में ला रही हैं। वेडिंग फोटोग्राफी में आने वाले समय में तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति ही इस क्षेत्र में अपना परचम लहरा सकता है। केवल कैमरे की नहीं कैमरे के साथ-साथ एसेसरीज का मार्केट भी डेवलप ही रहा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि हम एसेसरीज के बारे में भी अधिक से अधिक जानकारी इकट्ठा करें, तभी हम अपने कस्टमर को अच्छे से अच्छा कार्य दे सकेंगे।

पहले के मुकाबले आज फोटोग्राफी इसलिए भी कठिन हो गई है क्योंकि हर व्यक्ति के हाथ में कैमरा है वह मोबाइल के द्वारा फोटो खींचने में एक्सपर्ट हो चुका है, उसको फोटोग्राफी की नॉलेज हो चुकी है, इसलिए जब वह प्रोफेशनल फोटोग्राफर को बुलाता है तो उम्मीद करता है कि जो वह फोटोग्राफी करता है उससे कुछ अलग फोटोग्राफ्स उसको मिले तभी उसके लिए उन फोटोग्राफ्स के मायने हैं।

साथियों स्टूडियो न्यूज़ के माध्यम से हम आपको फोटोग्राफी के क्षेत्र में नई-नई विधियों के बारे में तथा जो उत्पाद नए आने वाले हैं उसके बारे में बताते हैं। हम आपसे उम्मीद करते हैं कि आपकी राय हमें मिलती रहेगी जिससे हम नए-नए विषयों पर लिख सकें तथा आपका ज्ञान वर्धन कर सकें।

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

खतौली, मुजफ्फरनगर में 6 दिसम्बर 2018 को फोटोग्राफर्स एसोसिएशन द्वारा मीटिंग

लखनऊ, 23.12.2018 को टाइपा (द यूथ फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन) द्वारा स्ट्रीट फोटोग्राफी पर वर्कशाप

19.12.18 को वाराणसी में बनारस कैमरा सोसाइटी द्वारा निःशुल्क आयोजित फोटोग्राफी कार्यशाला में ख्याति प्राप्त छायाकार श्री चन्दन सुन्दर

मेरठ में 23.12.18 को आयोजित फोटो प्रदर्शनी एवं सोनी वीडियो कैमरो की वर्कशाप

जेवीसी द्वारा डीलर्स मीट का आयोजन

4.1.19 को फतेहपुर फोटोग्राफर एसोसिएशन के पदाधिकारियो के साथ यू.पी. फोटोग्राफर्स एसोसिएशन ऑफ उ.प्र. के अध्यक्ष दिनेश वर्मा

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 2 अंक : 7 | लखनऊ, रविवार, 6 जनवरी 2019 से 5 फरवरी 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

पैनोरमा फोटोग्राफी - पेज 4

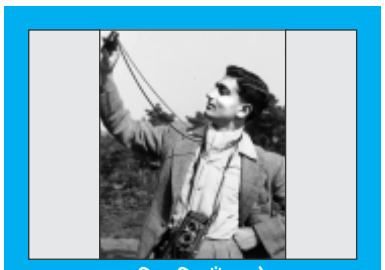

महान विभूतियाँ - पेज 5

सीनकटर - पेज 6

ग..ग..ग... गुस्सा - पेज 11

फैशन फोटोग्राफी - पेज 12-13

सोनी α7R III : हाई मेगापिक्सल के साथ अविश्वसनीय गति और सटीकता

सोनी α7R III 35 एमएम फुल फ्रेम कैमरा ऑटोफोकस के साथ आपकी रचनात्मकता और और बढ़ाए।

रिज्यॉल्यूशन, सेंसिटिविटी, विस्तृत रेंज, प्रोसेसिंग स्पीड और पहले से बहुत बेहतर शूटिंग रिस्पान्स के साथ इमेजिंग की दुनिया में आपका स्वागत है।

α7R III की खासियत है कि इसकी बॉडी मजबूत और सघन है जिससे किसी भी परिस्थिति में शॉट लेने में आपको सहूलियत होगी।

आपके संचालन पर यह अपनी तेज क्षमता और ताकत से इस तरह काम करेगा कि आप जीवन भर के खूबसूरत लम्हे कैमरे में सहेज सकेंगे।

कुछ अनदेखी बातों का चित्रण विस्तार में

ज्यादा आइएसओ रेंज के दौरान कम व्यवधान में हाई रिज्यॉल्यूशन देने के लिए इमेज प्रोसेसिंग सिस्टम विकसित हो गया है। कैमरा हर सीन के आसपास की जानकारी बहुत ही खूबसूरती से देता है।

42.4 एमपी फुल-फ्रेम एक्समर आर सीएमओएस सेंसर

एक्समर आर सेंसर का चिप लेंस डिजाइन ऐसा है कि 42.4 एम के हाई रिज्यॉल्यूशन के बाद भी यह वृहद डायनामिक रेंज प्रदान करने के साथ साथ लाइट सेंसिटिविटी भी बढ़ाता है।

विकसित इमेज प्रोसेसिंग

आगे व पीछे दोनो ही तरफ की बूस्ट प्रोसेसिंग स्पीड एलएसआइ और बीआइओएनजेड एक्स एक्समोर आर सेंसर के साथ मिलकर स्टिल के लिए कम आइएसओ सेंसिटिविटी में 15 स्टॉप डायनामिक रेंज प्रदान करती हैं।

वाइड स्टैंर्डड आइएसओ 100-32000 रेंज

सामान्य आइएसओ रेंज बढ़ कर आइएसओ 100-32000 हो गई है (बढ़ने की सीमा है आइएसओ 50-102300) और न्वाइज कम हो गई है।

14 बिट RAW आउटपुट

14 बिट RAW आउटपुट में है हाईलाट्स से लेकर शैडो तक बेहतर टोनल जानकारी और यह साइलेंट व लगातार शूटिंग के दौरान भी उपलब्ध है।

मजबूत, रोशनी, और विश्वसनीय डिजाइन आपको दूर तक ले जाएंगे

हाई रिज्यॉल्यूशन क्वैड वीजीए ओएलईडी ट्रू फाइंडर (Quad-VGA OLED Tru-Finder) से आपको मिलेगी नैचुरल इमेज।

ईवीएफ के लाभ बहुत हैं। जैसे कि अंधेरे में ज्यादा विजेबिलिटी यानी देखने की क्षमता और मैग्निफाइड डिस्प्ले यूज़ करने के दौरान एएफ अनुकूलता। अब यह सभी फीचर्स बढ़िया शूटिंग सपोर्ट के लिए विकसित किए गए हैं।

α7R III की छोटी और हल्की बॉडी बीहड़ उपयोगों के लिए भी उपयोगी है।

लम्हों को तुरंत सहेजे

10 एफपीएस तक लगातार शूटिंग : एएफ/एई ट्रैकिंग संग 10 एफपीएस तक कि लगातार शूटिंग के साथ त्वरित क्षणों को कैप्चर करें। इसका 42.4 एमपी का डाटा हाई इमेज क्वालिटी को मेंटेन करता है जो कि आपकी रचनात्मकता के लिए एकदम फिट है।

बेहद शांत वातावरण में लगातार शूट करें : इस कैमरे में एएफ/एई ट्रैकिंग के साथ 10 एफपीएस तक की साइलेंट शूटिंग है। वाइल्डलाइफ शूट करने के लिए शांति बनी रहती बहुत जरूरी है। हल्का से भी शोर से एक बहुत ही अच्छा शॉट गंवा सकते हैं।

बढ़ा एएफ प्रदर्शन : α9 का एएफ परफॉर्मेंस लेकर α7R III का एएफ प्रदर्शन अच्छा किया गया है। अब आप α7R III से ऐसे जंगली जानवर को क्लिक करना आसान होगा जो कि कभी भी हिल सकता है।

कोई क्षण मत गंवाइए

नया मल्टी सेलेक्टर, एएफ-ऑन बटन और टच फोकस फंक्शन फोकस ऑपरेशन को तेज बनाता है।

बिल्ट इन डुअल स्लॉट और बड़ी क्षमता वाली रिचार्जेबल बैट्री एनपी-एफजेड 100 के साथ अनुकूलता के अलावा α7R III इस बात को भी सुनिश्चित करता है कि आप किसी भी तरह के व्यवधान भी शूट कर सकते हैं। क्योंकि इसके लिए आपको जल्दी-जल्दी मीडिया या बैट्री नहीं बदलनी पड़ेगी।

पोट्रेट की क्षमता

एएफ के साथ दुगना प्रदर्शन :

α7R III के साथ आइ एएफ आई डिटेक्शन व ट्रैकिंग पहले से ज्यादा प्रभावी व दुगना विकसित है। यह तब भी प्रभावी है जब पोट्रेट शूट करने व मूव करना हो।

बेहतर इमेज स्टैबलाइजेशनः फ्री शूटिंग

5-एक्सिस इन-कैमरा इमेज स्टैबलाइजर का शुक्रिया। जब भी आप शूट व मूव करना चाहते हो तो α7R III की हाई रिज्यॉल्यूशन के प्रदर्शन पर विश्वास कर सकते हैं। यानी कि अब आप सब्जेक्ट पर आराम से फोकस करिए, कैमरा हिलने या ब्लर होने का कोई डर नहीं।

स्टूडियो वर्कफ्लो

तेज कनेक्टिविटी : α7R III में है यूएसबी 3.1 जेन 1- कंपैटेबल यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और सिंक टर्मिनल। इससे फायदा यह है कि ये कैमरे को बाहरी डिवाइस से सीधा कनेक्ट करता है वह भी तुरंत।

इन कनेक्शंस से वर्कफ्लो में कोई दिक्कत नहीं आती और निर्बाध रूप से काम होता है। यहां तक कि इनसे पीसी-टेथर्ड (जोड़ना) शूटिंग व फ्लैश स्टूडियो शूटिंग में भी आसानी रहती है।

अधिक यर्थाथवादी फिल्में

हाई रिज्यॉल्यूशन 4के एचडीआर : 5के ओवरसैंप्लिंग के साथ हाई रिज्यॉल्यूशन 4के फिल्में रिकॉर्ड करने के अलावा कैमरे में है नया HLG (हाइब्रिड लॉग गामा) 5 प्रोफाइल फोटो। एचडीआर वर्कफ्लो से रंगों की ग्रेडिंग के बिना ही मूवी इमेज सजीव होती हैं।

कीमत रूपये 269,000

(सभी टैक्स मिला कर)

पैनोरमा फोटोग्राफी

पैनोरमा फोटोग्राफी द्वारा लैण्डस्केप और वेडिंग फोटोग्राफी और रचनात्मकता ला सकते हैं। पैनारमा फोटोग्राफी कैसे करें, इसके बारे में बता रहे हैं जाने माने फोटोग्राफर

- आर. प्रसन्ना

पैनोरमा फोटोग्राफी एक बहुत ही दिलचस्प शैली है जो कि न केवल लैंडस्केप फोटोग्राफी में बल्कि वेडिंग फोटोग्राफी में भी रचनात्मकता के साथ प्रयोग की जा सकती है।

पैनोरमा फोटोग्राफी समझने के लिए हमें पहले मानव नजरिया समझना होगा। इंसान की दृष्टि लगभग 120 डिग्री के घुमाव तक जाती है। ज्यादातर यह पेरिफेरल विजन होता है।

जब आपके बगल से कोई वाहन आए और आप स्पष्ट रूप से उस वाहन को न देख पाएं तो उसे पेरिफेरल विजन कहते हैं।

अब आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि मानव दृष्टि पैनोरमा जैसी ही है। आंखें घूमती रहेंगी और दिमाग एक पैनोरमा इमेज बना लेगा। कोई भी अपनी आंखों को बहुत देर तक सीधा रखकर एक दिशा में नहीं देख सकता।

यदि एक ही ओर हम लगातार देखेंगे तो लोग हमें पागल समझेंगे। तो इससे हम अंदाजा लगा सकते हैं कि आखों की पुतलियां घूमती हैं और हम पैनोरमा इमेज देखते ही रहते हैं।

पैनोरमा फोटोग्राफी कोई नई चीज नहीं है। सन 1851 में मार्टिन बह्रमैक्स ने पहली पैनोरमा इमेज शूट की थी। 1864 तक यह तकनीक और विकसित की गई। इसमें दो मुख्य प्रकार हैं- सिलिंड्रिकल पैनोरमा जो कि स्टिल फोटोग्राफी में यूज़ होता है और दूसरा स्फिरिकल पैनोरमा जो कि वर्चुअल-रिएलिटी इमेज के लिए प्रयोग में आता है।

पहले फिल्मों के लिए पैनोरमा शूट करना काफी महंगा होता था। इसे शूट करने के लिए अलग तरह का कैमरा होता था। अब चीजें बदल गई हैं। अब स्मार्टफोन में पैनोरमा क्लिक कर सकते हैं। तकनीक ने इसे सरल बना दिया है। हालांकि फिर भी, अच्छी क्वालिटी की पैनोरमा इमेज के लिए बेसिक समझना बहुत जरूरी है।

इससे पहले हम शुरू करें हमें पैनोरमा फोटोग्राफी से जुड़ी कुछ तकनीक समझनी होंगी। पहला और सबसे जरूरी है नोडल प्वाइंट। है क्या यह नोडल प्वाइंट?

इसे समझने के लिए अपनी बांह अपने शरीर से अलग खींचें और अंगूठा उठाएं। अब बाईं आंख बंद कर के दाई आंख से देखें। इसके बाद दाईं आंख बंद करके बाईं आंख से देखें। क्या आपने ध्यान दिया कि विजन अपनी जगह से हिलता हुआ प्रतीत हुआ?

दरअसल आपका अंगूठा नहीं हिला बल्कि उसके पीछे यानी बैकग्राउंड पोजिशन बदलती रही। यह पैरेलैक्स एरर (PARALLAX ERROR) के कारण है। तो जब आप अपना अंगूठा करीब लाए और धीरे से दूर ले गए तो विजन वही रहा। यही है नोडल प्वाइंट। यदि आपने सही नोडल प्वाइंट देख लिया तो पैनोरमा इमेज अपने आप बनती जाएगी।

पैनोरमा कैसे शूट करें?

हॉरिजॉन्टल (टेढ़े) के बजाए वर्टिकल यानि कि खड़ी पोजिशन में शूट करें। चौंक गए? एक प्रोफेशनल पैनोरमा इमेज को अच्छी क्वालिटी चाहिए और टेढ़े खींचना सही तरीका नहीं है।

फ्रेम बदले ने इसके लिए कैमरे को ट्राइपॉड पर रखें। कैमरे को मैनुअल मोड पर रखकर हर प्रकार की फोटो खींचे पर ध्यान रहे अपर्चर और एक्सपोजर एक ही होना चाहिए।

फोकस को मैनुअल में रखें ताकि हर शॉट पर फोकस शिफ्ट न हो। यदि आप ऑटोफोकस यूज़ करना चाहते हैं तो फोकस को ही जगह रखें।

हर फोटो को कम से कम 15 फीदस का ओवरलैप करना चाहिए। इससे फोटोशॉप पर आसानी रहती है। क्लिक हो जाने के बाद इमेज आसानी से फोटोशॉप के फोटोमर्ज ऑप्शन से फुल पैनोरमा में जुड़ जाती है।

धन्यवाद!

2019 साल आपके लिए शुभ हो!

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जनवरी 2019 से 5 फरवरी 2019

जीवन के साथ बिताए अंतरंग पलों का नाम फोटोग्राफी है। - बर्क उजले

महान विभूतियाँ

राम चंद मेहता

(1910 - 1994)

राम चंद मेहता

तीन भाइयों में सबसे छोटे राम चंद मेहता ने 'महाटा' की स्थापना की। महाटा झेलम नदी के तट पर एक फोटोग्राफिक स्टोर है। 1918 में बने इस स्टोर को कश्मीर घाटी में प्रीमियर स्टोर के नाम से जाना जाने लगा। श्रीनगर में महाटा से पोट्रेट खिंचवाना बड़ी बात समझी जाती थी। फोटोग्राफी में अद्भुत समझ रखने वाले मेहता ने केवल स्टूडियो तक ही सीमित न रहकर कश्मीर की खूबसूरत वादियों तक अपनी फोटोग्राफी को ले गए। तीन दशक तक उन्होंने बेहद मेहनत की। वहाँ की ज़मीं, नजारे और लोगों व कई आयामों को उन्होंने अपने कैमरे में उतारा। उनके अपने फोटोग्राफ के कलेक्शन बेहद गजब हैं। उन्होंने अपनी कला से ग्रामीणों के रहन-सहन, कश्मीर की शाही शान और इतिहास को बड़ी खूबसूरती से लोगों के सामने रखा। ये अतुल्य तस्वीरें उस वक्त कश्मीर की बहुमूल्य वस्तुओं में गिनी जाती थीं।

आर.सी. मेहता ने 1912 में महाटा स्टूडियो की स्थापना की। जब महाटा ने 1912 में काम करना शुरू किया तो वह एक हाउसबोट पर था। 1918 में वह वहां शिफ्ट हो गया जहां आज है। तीनों भाइयों ने इसे बखूबी संभाला। आर. सी. मेहता तो स्वयं फोटोग्राफर थे, उनके दूसरे भाई स्टूडियो का बिजनेस देखते थे।

विजुअल आर्ट गैलरी ने उनके सर्वश्रेष्ठ काम को एक प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया। एक सप्ताह तक चली इस प्रदर्शनी का नाम था "कश्मीर व्यूज़ (कश्मीर के नजारे): 1934-1965 की अद्भुत तस्वीरों का कलेक्शन"। उनके असली नेगेटिव्स से बनी ब्लैक एंड वाइट प्रिंट्स को मुख्य रूप से दिखाया गया। इसके अलावा पुराने कलेक्शन के पैनोरमा भी प्रदर्शित किए। इन प्रिंट्स के अलावा उनके उस ज़माने के कैमरे, टूल, डार्करूप के कैमिकल और कुछ हाथ से बनाए गए आर्काइवल प्रिंट भी दिखाए गए। उनके खुद के चुने हुए ओरिजनल पोर्टफोलियो प्रिंट दो एल्बम में सहेजे हुए हैं। इस फोटो प्रदर्शनी में आर. सी. मेहता की उन तस्वीरों को प्रदर्शित किया गया जो आज तक कहीं नहीं दिखाई गईं। 2 जून 2006 में लगी इस एक्जीबीशन को इंडिया पिक्चर के साथ इंडिया हैबिटेट सेंटर द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें इन बेजोड़ तस्वीरों को कइयों ने खरीदा भी। कुछ फोटोज़ डेढ़ लाख रूपये में भी बिकी।

तीन दशक तक उन्होंने घाटी पर अपना समय बिताया और खूबसूरत तस्वीरों के लिए जान लगा दी। हजारों फोटोज़ हैं जिनमें कश्मीर के वो नजारे हैं जिन्हें देखकर दांतो तले उंगली दबा ली जाए।

उनके कार्य करने में दो मुख्य पहलू थे। पहला, वह कहीं भी जाते थे स्टूडियो फोटोग्राफर की समझ लेकर जाते थे। उनकी तस्वीरें गरीबी का महिमामंडन नहीं करती थीं या किसी के निजी जीवन में झांकती हुई नहीं थी और दूसरा वह अपने रिकॉर्ड को लेकर अति सतर्क थे।

उन्होंने धार्मिक राह पर चलने के लिए 1987 में घाटी छोड़ दी। उनका देहांत 1994 में हुआ।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP, ARPS, Hon. FIP, Hon. LCC, Hon. FSoF, Hon. FPAC, Hon. TPAS, Hon. FSAP, Hon. FICS, Hon. PESGSPC, Hon. FPSNJ
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

सीनकटर

तुगलकी फरमान से फोटोग्राफर परेशान

त्रिलोचन एस. कालरा
वरिष्ठ फोटो पत्रकार
एवं
एमिटी विश्वविद्यालय के
पत्रकारिता विभाग में
असिस्टेंट प्रोफेसर

Photos : Trilochan S. Kalra

लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बने स्मारकों का रख-रखाव देखने वाली उ.प्र. स्मारक समिति ने अपनी पहली बैठक में फिल्म शूटिंग और प्री-वेडिंग फोटोग्राफी के लिए जो नई अनुमति शुल्क की दरें बढ़ाई हैं उसमें फिल्मकारों के साथ वेडिंग फोटोग्राफर्स को भी लपेट लिया है। जो शादी के लिए दूल्हा-दुल्हन की प्री-वेडिंग स्टिल और वीडियो शूट करने इन स्थलों पर आते हैं। समिति ने फिल्मकार और आम फोटोग्राफर के बीच फ़र्क़ महसूस ही नहीं किया, न ही फोटोग्राफर्स की किसी संस्था से विचार-विमर्श की कोशिश की और न ही उन्हें विश्वास में लिया गया। यदि ऐसा किया होता तो निरीह फोटोग्राफर प्री-वेडिंग शूट के लिए दस से पंद्रह हज़ार रूपये प्रतिदिन निर्धारित किये जाने वाले शुल्क का हर हाल में विरोध करते। स्मारक समिति ने जिस मनमाने ढंग से प्री-वेडिंग शूट के लिए दस हज़ार से पंद्रह हज़ार रूपये का शुल्क लगाया है। यह "ऐसा तुगलकी फरमान है जिसने फोटोग्राफर्स को कर दिया है परेशान"।

उत्तर-प्रदेश में फिल्म उद्योग को विकसित करने के लिए दिए जा रहे प्रोत्साहन के चलते बॉलीवुड के बड़े से बड़े फिल्मकारों की शूटिंग यूनिट आये दिन लखनऊ और आसपास शूटिंग करती दिख जाती हैं। सिर्फ मुंबई ही नहीं बल्कि अब तो दक्षिण भारत के फिल्म निर्माताओं को भी लखनऊ और यू.पी. की दिलकश लोकेशंस ने मोह लिया है। बड़े से बड़े फिल्म स्टार्स यहाँ आ रहे हैं। इन फिल्मकारों के उत्तर प्रदेश में आकर फिल्म शूट करने के मोह सबसे बड़ा कारण ऊत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें दी जाने वाली मोटी सब्सिडी भी है। फिल्मकारों को ये अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलता है। ये फिल्मकार प्रदेश में अपनी बनायी फिल्म के सैकड़ों प्रिंटों को सिनेमाघरों को बेच कर कमाते हैं और ऊपर से प्रोत्साहन राशि भी ले जाते हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश की स्मारक समिति ने लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्मारकों की लोकेशंस पर आने वाली यूनिट्स के लिए शूटिंग करने का मोटा शुल्क लगाया है। यह शुल्क 6 से 24 घंटों के लिए 1 लाख से साढ़े 5 लाख तक है। समिति ने यह प्रस्ताव अपनी पहली बैठक में दिया है। दूसरी बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लग जाएगी। यह अच्छी बात है स्मारक समिति को इन स्मारकों के रख रखाव का शुल्क जरूर लेना चाहिए। यहाँ आने वाले फिल्मकार दोनों तरफ से कमा रहे हैं लिहाजा उन्हें ये शुल्क देना भी चाहिए। जरूर शुल्क लीजिये इन फिल्मकारों से ... किसने रोका है। आप इन्हें उत्तर प्रदेश में फिल्म शूट करने का न्योता देते हैं ... बदले में इन्हे सब्सिडी देते हैं ... वो भी लाखों करोडो में, इनकी फिल्मों को टैक्स माफ़ भी कर देते हैं। फोटोग्राफर्स को ऐसी लोकेशंस पर शूट करने का सब्सिडी नहीं देते। तो शुल्क इनका इतना भी न बढ़ाइए कि उनका धंधा बैठ जाये। ये बढ़ा शुल्क या तो वो पार्टी से वसूलेंगे या मजबूरी में अपनी जेब से भरेंगे।

निरीह फोटोग्राफर्स ने आपका क्या बिगाड़ा है। मोबाइल फोटोग्राफी ने इनका धंधा आधे से ज्यादा तो वैसे ही बर्बाद कर दिया है। ये अपना प्रिंट, फोटो और वीडियो सिर्फ उसी ग्राहक को देते हैं, जिसकी प्री-वेडिंग शूट करते हैं। फीचर फिल्म के खरीदार तो देश भर में सैकड़ों सिनेमाघर हैं लेकिन फोटोग्राफर की फोटो का ग्राहक सिर्फ एक ही है जिसकी वो वेडिंग फोटोग्राफी करते हैं। एक डेढ़ लाख में अगर काम मिल भी जाये तो शादी के सारे फंक्शन्स की स्टिल वीडियो और कैंडिड के साथ प्री-वेडिंग शूट को अंजाम देते हैं। एक शूट में 5 से 10 लाख तक के कैमरा इक्विपमेंट्स बैंकों से लोन लेकर काम करते हैं ... वेडिंग का डेटा सहेजने और एडिटिंग के लिए महंगे कंप्यूटर लगाते हैं। फोटो सेलेक्ट कराने में ... फिर एडिटिंग में वक़्त देते हैं। फिर पेमेंट के लिए चक्कर काटते हैं। वेडिंग फोटोग्राफर फिल्मकारों की तरह सब्सिडी नहीं पाते बस किसी तरह घर चलाते हैं। दुनिया में हर काम के दाम बढ़ जाते हैं लेकिन फोटोग्राफी पेशे में प्रतिस्पर्धा की चलते दाम वहीं के वहीं रहते हैं। फोटोग्राफी का काम करने वाले बहुत हैं। रेट्स की गलाकाट प्रतिस्पर्धा में महंगे कैमरे व उपकरण इवेंट में लगाने के बाद भी फोटोग्राफर लागत वसूल नहीं कर पाते। वेडिंग फोटोग्राफी की सहालग साल की कुछ शुभ तिथियों के सहारे चलती है। फोटो अल्बम में प्री-वेडिंग शूट की तस्वीरों का अपना आकर्षण है। शादी विवाह की रस्मों के बीच से लड़का-लड़की की अलग तस्वीरें निकालना संभव नहीं होता, इसलिए विवाह से पूर्व प्री-वेडिंग शूट की एक या दो विजिट में वर-वधु को उनके कम्फर्ट के हिसाब से उनकी मनचाही लोकेशंस पर शूट किया जाता है। इसके लिए दूल्हा दुल्हन की ड्रेसेस, लोकेशन, फोटो, इक्विपमेंट्स, लाइट सेटअप, हेयर ड्रेसर मेकअप इत्यादि की व्यवस्था फोटोग्राफर्स को स्वयं करनी पड़ती है। इसके लिए फोटोग्राफर्स अच्छी लोकेशन खोजते हुए इन स्थलों पर शूट करने आते हैं। फोटोग्राफर्स के लिए जनेश्वर पार्क पहले निशुल्क था और अब दस रूपये का इंट्री टिकट है और कैमरे का 250 रूपया, जरूरी नहीं कि हर कैमरा लेकर आने वाला शख्स वेडिंग फोटोग्राफर ही हो। फोटोग्राफी सिखाने का उतर प्रदेश में कोई शिक्षण संस्थान नहीं ऐसे में फोटोग्राफी सिखाने वाले शिक्षक यदि स्टूडेंट्स को लेकर पार्क में जाएँ तो दस रूपये का इंट्री टिकट लें और प्रति कैमरा ढाई सौ रूपये का टिकट लें। स्मारक समिति को फोटोग्राफर्स के लिए प्री-वेडिंग शूट की दरों को मनमाने ढंग से लागू न करने से पहले लखनऊ और प्रदेश के फोटोग्राफर्स से मिलकर बात करनी चाहिए। ये दरें एक से दो हज़ार तक भी होती तो समझ आती हैं लेकिन एक पूरे दिन के लिए शुल्क दस से पंद्रह हज़ार कर देना समझ से परे है। क्योंकि प्री-वेडिंग शूट एक से तीन घंटे में ही निपट जाता है। फोटोग्राफी का काम और उसको प्रोत्साहन देने काम फोटोग्राफर कर रहे हैं कोई सरकार या स्मारक समिति नहीं। न ही कभी प्रदेश में फोटोग्राफर्स के हित के लिए कोई ठोस काम हुआ, न ही उनके प्रोत्साहन का कोई मंच है। जहाँ सुनवाई हो सके।

स्मारक समिति को निर्धारित की गयी दरों में फोटोग्राफर्स व फोटोग्राफी व्यवसाय के हित में अपने निर्णय पर पुनर्विचार जरूर करना चाहिए। फोटोग्राफी की शिक्षा देने वाले शिक्षक और शिक्षण संस्थानों के स्टूडेंट्स व शौकिया कैमरा लेकर आने वाले फोटोग्राफर्स के लिए न केवल जनेश्वर मिश्रा पार्क की टिकट में छूट मिले बल्कि अन्य स्मारकों में भी काम दरों पर प्रवेश सहित प्री-वेडिंग शूट करने में रियायत देनी चाहिए। दरें ऐसी हो जो आम फोटोग्राफर्स की वो जेबें ढीली न करें जो पहले से महंगे उपकरणों को खरीदने से टाइट हैं और उ.प्र. के फोटोग्राफी उद्योग से जुड़े संगठनों को भी एक होकर समिति के इस फैसले का विरोध करते हुए कोई सम्मानजनक हल निकालने का रास्ता जरूर ढूढ़ना चाहिए अन्यथा एक बार अगर समिति ने ये कदम उठा लिया तो आने वाले वर्षों में इसकी दरें और भी बढ़ायेगे। हालांकि ऐसे शुल्क से बचने के लिए प्रि-वेडिंग शूट के लिये फोटोग्राफर्स अन्य लोकेशंस की तलाश करेंगे जहाँ नाममात्र का शुल्क देकर वे प्रि-वेडिंग फोटो शूट करेंगे।

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जनवरी 2019 से 5 फरवरी 2019

फोटोग्राफी दुनिया को समझने की कुंजी है। - बेरेनिस एबोट

SAGAR LAB

Hi Quality Photobook Printing & Perfect Binding

ASSURED QUALITY ASSURED

SEND US YOUR ALBUM ONLINE - LICENCE KEY - FIU2015121001

New Launching

Mega Photobook Size 13"X 38" Available

New Launching

MAGIC TOUCH - EMBOSSED PHOTOBOOK & COVERS

Sublimation Raw Material,Mug Machine Setup
With Tutorials,Proper Training And Support.

CUSTOMER SUPPORT NUMBERS

★ FOR ALBUM BOOKING - 8009560996,7905812338 ★ FOR ALBUM DESIGNING - 8004660528

WANTED DEALERS ALL INDIA

FOR DEALERSHIP CALL - 9795445554

40/78 Hospital Road, Parade, Kanpur -208001 Behind Ursala Hospital,Bada Chauraha
Email-sagardigitalprinters@gmail.com Website - www.sagaralbum.com

2019	JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE	JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
Sun									1			1
Mon				1			1		2			2
Tue	1			2			2		3	1		3
Wed	2			3	1		3		4	2		4
Thu	3			4	2		4	1	5	3		5
Fri	4	1	1	5	3		5	2	6	4	1	6
Sat	5	2	2	6	4	1	6	3	7	5	2	7
Sun	6	3	3	7	5	2	7	4	8	6	3	8
Mon	7	4	4	8	6	3	8	5	9	7	4	9
Tue	8	5	5	9	7	4	9	6	10	8	5	10
Wed	9	6	6	10	8	5	10	7	11	9	6	11
Thu	10	7	7	11	9	6	11	8	12	10	7	12
Fri	11	8	8	12	10	7	12	9	13	11	8	13
Sat	12	9	9	13	11	8	13	10	14	12	9	14
Sun	13	10	10	14	12	9	14	11	15	13	10	15
Mon	14	11	11	15	13	10	15	12	16	14	11	16
Tue	15	12	12	16	14	11	16	13	17	15	12	17
Wed	16	13	13	17	15	12	17	14	18	16	13	18
Thu	17	14	14	18	16	13	18	15	19	17	14	19
Fri	18	15	15	19	17	14	19	16	20	18	15	20
Sat	19	16	16	20	18	15	20	17	21	19	16	21
Sun	20	17	17	21	19	16	21	18	22	20	17	22
Mon	21	18	18	22	20	17	22	19	23	21	18	23
Tue	22	19	19	23	21	18	23	20	24	22	19	24
Wed	23	20	20	24	22	19	24	21	25	23	20	25
Thu	24	21	21	25	23	20	25	22	26	24	21	26
Fri	25	22	22	26	24	21	26	23	27	25	22	27
Sat	26	23	23	27	25	22	27	24	28	26	23	28
Sun	27	24	24	28	26	23	28	25	29	27	24	29
Mon	28	25	25	29	27	24	29	26	30	28	25	30
Tue	29	26	26	30	28	25	30	27		29	26	31
Wed	30	27	27		29	26	31	28		30	27	
Thu	31	28	28		30	27		29		31	28	
Fri			29		31	28		30			29	
Sat			30			29		31			30	
Sun			31			30						

Pic : Mukesh Srivastava, FIE, FFIP, EFIAP
Model : Priya Jha

जय हिन्द

JM ADVERTISERS

Ad.Media Division

LED VIDEO WALL VIDEO VAN On Rent

All Publicity Solutions Under One Roof.

Contact For:

- Event
- News Paper Ad.
- TV Channel Ad.
- Radio Ad.
- Paper Printing Job
- Hoarding

jmadvtr@gmail.com

www.jmadvtr.com

7275110000, 93352 35051, 94525 19010

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जनवरी 2019 से 5 फरवरी 2019

किसी वस्तु को तस्वीर में अलग अलग उतारने की कला असली फोटोग्राफी है। - गैरी विनोग्राण्ड

ग... ग... ग... गुस्सा

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

हम सबको पता है कि गुस्सा अच्छा नहीं होता है। देखना यह है कि आप गुस्से पर नियंत्रण करते हैं या गुस्सा आप पर नियंत्रण करता है। गुस्सा और कुछ नहीं मन का ही एक भाव है। यदि हम गुस्से पर नियंत्रण नहीं कर पाते तो हम अपना नुकसान कर बैठते हैं। ये नुकसान शारीरिक, मानसिक, आर्थिक या सामाजिक कुछ भी हो सकता है। हमेशा से सुनते आये हैं कि गुस्से में लिया गया निर्णय सही नहीं होता है। यदि आप गुस्सा निरंतर करते रहते हैं तो सबके सामने आपका गुस्सैल चरित्र बन जाता है और अधिक गुस्सा करने के कारण आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं भी हो सकती हैं। जैसे कि उच्च रक्तचाप, हृदयाघात, पक्षाघात, नींद ना आना, अवसाद एवं पाचन सम्बन्धी विकार इत्यादि। जो कि जीवन के लिए और आपके भविष्य के लिए कभी भी अच्छा नहीं है।

हमें हमेशा बताया जाता है कि गुस्सा नहीं करना चाहिए, लेकिन ये नहीं बताया जाता कि गुस्सा कैसे कण्ट्रोल किया जाये। सबसे पेहले देखते हैं कि गुस्सा आता ही क्यों है। अक्सर जब हमारे आस-पास ऐसी बातें होती हैं जो हमारी उम्मीद से हट के होती हैं तो शायद हम गुस्सा करने लगते हैं और जब ये भाव बहुत बढ़ जाता है और गुस्सा चरम सीमा पर पहुंच जाता है तो हम कुछ उल्टा-पुल्टा बोलते हैं और गलत निर्णय ले लेते हैं। ये भी आप सब जानते हैं कि एक समय के बाद गुस्सा धीरे-धीरे उतर जाता है। तब हम समझ पाते हैं कि इस गुस्से के भाव ने हमे कहाँ नुकसान पहुंचाया है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि हमारे परिवार, स्टाफ या समाज का कोई व्यक्ति ऐसा कार्य कर बैठता है जिसकी हमें बिलकुल भी उम्मीद नहीं थी। ऐसी स्थिति में भी हम उस व्यक्ति को भला-बुरा कहते हैं और अपना गुस्सा उस पर उतारते हैं। कई बार कुछ लोग अपने ऑफिस या कार्य से सबंधित गुस्सा अपने परिवार पर उतार देते हैं। परन्तु ऐसा करना गलत है।

इसी बात पर एक छोटी सी कहानी आपके साथ शेयर करना चाहूंगा।

एक बार एक सांप बढ़ई की बंद दुकान में कहीं से आकर घुस गया। बढ़ई की लकड़ी काटने की आरी दुकान में फर्श पर रखी हुई थी। रेंगते-रेंगते सांप दुकान में रखी आरी से टकराकर मामूली सा जख्मी हो गया। अब सांप को जैसे ही चोट का एहसास हुआ, उसे गुस्सा आ गया और सांप ने पलट कर आरी पर पूरी ताक़त से आरी पर डंक मारा। तेज धार वाली आरी में सांप के डंक मारने से उसके मुंह से खून बहना शुरू हो गया। अब तो सांप और भी ज्यादा गुस्से में आ गया। इसके बाद तो सांप गुस्से में आरी से लिपट कर उसे जकड़ कर उसका दम घोंट कर मारने की भरपूर कोशिश करने लगा। नतीज़ा सांप अपने गुस्से की वजह से बुरी तरह से घायल हो चुका था। दूसरे दिन सुबह जब बढ़ई ने अपनी दुकान खोली तो वहाँ का नजारा देख

वो दंग रह गया। उसने देखा कि एक सांप उसकी धारदार आरी से घायल अवस्था में लिपटा पड़ा है। ध्यान से देखने पर पता चला की सांप मर चुका था। यानी कि वो सांप किसी और कारण से नहीं बल्कि अपने गुस्से भेंट चढ़ गया था। सांप को किसी और ने नहीं बल्कि उसके अपने गुस्से ने मार डाला।

सांप की ये कहानी हमें गुस्से से होने वाले अपने ही नुकसान की बहुत बड़ी सीख देती है। अक्सर ही गुस्से में हम दूसरों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं मगर समय बीतने के बाद हमें आभास होता है कि हमने अपने आप का ही सबसे ज़्यादा नुकसान किया है।

यहाँ पर अपनी बात को समझाने के लिए एक और किस्सा बताना चाहूँगा। एक बार की बात है की एक संत ने अपने शिष्यों से पूछा, "गुस्सा आने पर हम चिल्लाते क्यों हैं? जब लोग गुस्से में होते हैं, तो ऐसा क्यों होता है कि वो एक-दूसरे पर ही चिल्लाने लगते हैं ?"

शिष्यों ने थोड़ी देर सोचा परन्तु उनमे से कोई भी इस सवाल का सही उत्तर नहीं दे पाया। अब संत ने संतोषजनक उत्तर न पाकर दूसरा सवाल किया, "जब सामने वाला व्यक्ति हमारे पास ही खड़ा है, तो चिल्लाने की क्या जरूरत है? क्या हम शांति से उसके साथ बात नहीं कर सकते हैं? गुस्सा आने पर चिल्ला कर ही बात करने की क्या जरूरत है?"

शिष्यों ने फिर अलग-अलग उत्तर दिए पर कोई भी संत को संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया।

आखिरकार संत ने ही सबको समझाया, "जब दो लोग एक-दूसरे से गुस्सा हो जाते हैं तो भले ही वो पास में खड़े हों पर उनके दिलों के बीच दूरियां बहुत बढ़ जाती हैं और इस दूरी को पाटने के लिए उन्हें चिल्लाना पड़ता है, ताकि वो एक-दूसरे को सुन सकें। वो जितना ज्यादा आपस में गुस्सा होंगे, उनके दिलों की दूरियां उतनी ही अधिक बढ़ जाएँगी और इसलिए उन्हें उतनी ही ऊंची आवाज़ में चिल्लाना पड़ेगा जिससे वो एक-दूसरे की आवाज़ को सुन सकें।"

अब संत ने फिर से शिष्यों से एक सवाल किया, "क्या होता है जब दो लोगों के बीच में प्रेम होता है? क्या वो भी आपस में चिल्ला कर बात करते हैं? सभी शिष्यों ने जवाब दिया, "नहीं, वो तो बहुत आराम से बात करते हैं।" संत ने कहा, "बिलकुल सही! जब दो लोग प्रेम करते हैं तो उनके दिलों के दूरियां बहुत कम हो जाती हैं और इसलिए वो प्यार से बात करते हैं, उन्हें चिल्लाना नहीं पड़ता।"

संत ने आगे कहा, "जब ये लोग और अधिक प्रेम करने लग जाते हैं, तब क्या होता है? तब उन्हें बोलने की भी जरूरत नहीं पड़ती सिर्फ फुसफुसाहट से ही वो एक-दूसरे की बात समझ लेते हैं और जब इनके बीच प्रेम और अधिक बढ़ जाता है तो उन्हें फुसफुसाहट की भी जरूरत नहीं पड़ती, सिर्फ एक-दूसरे को देखकर ही वो सब समझ लेते हैं। इसलिए आप लोग भी आपस में और सभी से इतना प्यार करें कि आपको फुसफुसाहट की जरूरत भी महसूस ना हो और सिर्फ एक-दूसरे को देखकर ही सब समझ में आ जाये कि सामने वाला क्या चाहता है? दिलों को नज़दीक लाएं ना कि उनके बीच दूरियां बढ़ाएं।"

इन उदाहरण से आप गुस्से के बारे में बहुत कुछ समझ गए होंगे और यदि समझ आ गया तो आप बहुत कुछ अपने गुस्से पर कण्ट्रोल कर सकते हैं। आइये अब देखते हैं कि क्या-क्या करें जिससे गुस्सा आने पर हम सब कुछ नियंत्रण में रख सकें।

जिस समय आपको लगे कि आपका गुस्सा उफान पर है तब आप थोड़ा ठन्डे दिमाग से स्थिति और परिस्थिति को समझने कि कोशिश करें। अपने आप को उस माहौल से तुरंत हटा कर कहीं और मन लगाएं। योग या सांस लेने कि प्रक्रिया का भी गुस्सा कण्ट्रोल करने में बहुत महत्त्व है, इसलिए ऐसी परिस्थितियों में गहरी सांस लेने का प्रयास करें। अपने आप से पॉजिटिव बात करने कि कोशिश करें। कुछ हलके-फुल्के माहौल में अपने आप को रखें, जैसे कि कोई फनी फिल्म या जोके देखें। अपना ध्यान कहीं भी और लगाने कि कोशिश करें। आपको जब लगे कि आप कुछ ऐसा निर्णय लेने जा रहे हैं जो आपको भी अच्छा नहीं लग रहा है तो 50 तक गिनती गिनें और फिर सही गलत का निर्णय लें। अपने चेहरे को पानी से अच्छी तरह धोएं और समय मिलने पर या तो सब कुछ लिखें और उसे पढ़ें या यदि आपका कोई करीबी और विश्वास का व्यक्ति हो तो उसके साथ कुछ समय बैठ कर सब कुछ बोल दें जो आपके मन में है और प्रण करें कि भविष्य में इतनी जल्दी आप गुस्सा नहीं होंगे और अपनी सहनशक्ति बढ़ाएंगे।

बताये गए किसी भी तरीके से आप फायदा तभी उठा पाएंगे जब आप फायदा उठाना चाहेंगे।

स्टूडियो न्यूज

तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :
1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि
28 जनवरी 2019

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

हर तिमाही जीतिए

क्रियेटिव फैशन फोटोग्राफी

मुकेश श्रीवास्तव
FIE, FFIP, EFIAP

इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक
से.नि. निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

हमेशा से जैसे फैशन फोटोग्राफी सामान्य रूप से की जाती है वैसे ही हम सब करते हैं। फैशन फोटोग्राफी में कुछ अलग करने और खुद की पहचान बनाने के लिए नजरिये में थोड़ी रचनात्मकता की जरूरत है। साथ ही शूटिंग की तकनीक और प्रस्तुतिकरण को भी रोचक बनाइए। 2017-18 में अपने फैशन फोटोग्राफी के अनुभव को मैं कुछ तकनीकों के रूप में आपसे साझा कर रहा हूँ -

पानी के अंदर (अंडर वॉटर फैशन शूट) :

अंडर वॉटर फैशन फोटोग्राफी चुनौतीपूर्ण होती है लेकिन उतनी ही दिलचस्प भी है। हमें सबसे पहले कैमरा हाउसिंग सेलेक्ट करना होगा जो कि वॉटरप्रूफ हो।

वॉटरप्रूफ कैमरा हाउसिंगः

1- एमडीएस-डी800, ये 100एमटीएस गहर्रा में भी सावधानी से काम करता है। हालांकि यह काफी महंगा है। इसकी कीमत 2.3 लाख रूपये है।

2- अगला विकल्प है यूनिवर्सल कैमरा हाउसिंग जो किसी भी डीएसएलआर के साथ चल जाए। यह 30एमटीएस की गहराई तक काम करता है और इसकी कीमत रूपये 8000 है।

3- तीसरा ऑप्शन है गो प्रो हीरो 7, इसकी कीमत 37000 रूपये है और यह 30 फीट एमटीएस तक काम करता है।

जरूरी बात-

तैराकीः मॉडल और फोटोग्राफर दोनों को ही तैरना आना चाहिए।

आउटफिटः कपड़े रंगबिरंगे होने चाहिए जैसे लाल, नीला, हरा इत्यादि। अगर हम मॉडल को साड़ी पहनाएं तो हमें आकर्षक शेप मिल सकते हैं।

मैंने दूसरा वॉटरप्रूफ हाउसिंग प्रयोग किया और साड़ी पहने मॉडल का पूर्वी भारत में पहला अंडरवॉटर फैशन शूट किया था।

कैमरा व लेंसः फुल फ्रेम वाला कोई भी डीएसएलआर। लेंस का एंगल बड़ा होना चाहिए यानी कि 10-17 एमएम, 16-35एमएम, 14-24 एमएम।

1- मिल्की बाथः अगली रोचक क्रिएटिव फैशन फोटोग्राफी है मिल्की बाथ। इस प्रकार की फोटोग्राफी के लिए कम से कम 3'×6' और दो फीट गहराई के टैंक की जरूरत है। या तो दूध और पानी को मिला दें या फिर पानी में वाइट डिस्टेंपर मिलाकर वॉटर टैंक में डाल दें।

लाइटिंगः केवल लाइट का एक स्ट्रोब यूज़ करें जैसे ऑक्टा सॉफ्ट बॉक्स।

आउटफिटः लाल, काले रंग के कपड़े हो तो अच्छा रहेगा।

शूटिंग एंगलः सीढ़ी लीजिए और सबसे ऊपर से शूट करिए। वाइट बैलेंस के लिए ग्रे कार्ड यूज़ करना मत भूलियेगा।

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जनवरी 2019 से 5 फरवरी 2019

एक अच्छी तस्वीर किसी लम्हे को काल की गोद में कहीं खो जाने रोकने में सबसे सक्षम है। - युडोरा वेल्टी

कैमरा व लेंसः फुल फ्रेम का कोई भी डीएसएलआर। लेंस 18-105एमएम, 24-70 एमएम, 50 एमएम आदि। मैंने ऐसे क्रिएटिव फैशन शूट भारत में पहली बार किए थे। उनकी तस्वीरे देखिए।

1-हनी (शहद) बाथ : एक और बहुत ही इंटरेस्टिंग क्रिएटिव फैशन फोटोग्राफी। इसके लिए हम करीब पांच किलो शहद और बड़ा डायामीटर यूटेंसिल इस्तेमाल करेंगे। कैटरर के पास ऐसा बर्तन मिल जाएगा। मॉडल से कहिए कि बर्तन के बीच में खड़ी होकर पोज़ करें और फिर अपने असिस्टेंट को निर्देश दीजिए कि वह शहद को ऊपर से डालना शुरू करे।

2-लाइटिंग : नॉर्मल स्टूडियो लाइटिंग जैसे "लाइट एवं फील लाइट"।

कैमरा और लेंसः फुल फ्रेम डीएसएलआर। लेंस 18-105एमएम, 24-70 एमएम, 50 एमएम इत्यादि। वाइट बैलेंस के लिए ग्रे कार्ड यूज़ करना न भूलें। मैंने ऐसे क्रिएटिव फैशन शूट पहली बार भारत में किए थे।

स्ट्रीट फैशन शूटः सड़क पर अगर थोड़ा ध्यानपूर्वक चलें तो फैशन क्रिएटिविटी के साथ शूट करने के तमाम ऑब्जेक्ट्स मिल जाएंगे।

मैंने अपने शहर में दो दिन जमकर रेकी की। टायर पंचर की दुकान, इलेक्ट्रिक पोल्स आदि के पास मॉडल के साथ शूट किए। इन लोकेशन्स के लिए मुझे आउटफिट पर काम करना पड़ा था। यहां शूट मैंने सुबह छह से सात बजे के बीच किया ताकि पब्लिक डिस्टर्बेंस से बचा जा सके।

इंडिया में यह भी एक नया कॉन्सेप्ट था।

1-क्रिएटिव कॉस्ट्यूम के साथ फैशन शूटः

क्रिएटिव होने के साथ-साथ यूनीक आउटफिट के बारे में भी सोचते रहना चाहिए। ऐसे आउटफिट जो सामान्य न हो और मार्केट में उपलब्ध भी न हो।

मैंने अपना आउटफिट प्लान किया और उसका स्केच बनाया। यह बोरी और लाल साड़ी का था। डिजाइन कराया और मेरी पत्नी ने इसे सिला।

7 DAYS
ENTERTAINMENT

Anytime....all the time.....

An Event Management Company

Contact for LED WALL rental for Weddings & Events

Abhijeet Singh # 9336885050 **Vijay** # 9936500004

P.NO. 10, ASHIYANA ESTATE, CHINHAT, KAMTA, LUCKNOW - 226028

E-mail : info.7daysindia@gmail.com | **www.7daysindia.com**

STUDIO NEWS
लखनऊ, रविवार, 6 जनवरी 2019 से 5 फरवरी 2019

मुझे पूरी तस्वीर से नहीं बल्कि उस तस्वीर में छुपा एक छोटा सा लम्हा ज्यादा प्रभावित करता है। - हेनरी कार्टियर ब्रेस्सों

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

डिजिटल कैमरों पर 18 फीसद जीएसटी कम

जीएसटी काउंसिल ने 23 उत्पादों और सेवाओं पर जीएसटी कम कर दी है। डिजिटल कैमरों व वीडियो कैमरों पर 28 से 18 फीसद कर दिया गया है। फाइनेंस मंत्री अरूण जेटली ने कहा है कि कम की गई दर 1 जनवरी, 2019 ने लागू होगी। यह काउंसिल एक केंद्रीय एडवांस रूलिंग अथॉरिटी भी बनाएगी जो कि राज्य एडवांस रूलिंग अथॉरिटी के संघर्षों का निपटारा करेगी।

एडवल ब्रैंड के ईजेड ई-6 फिल्म डेवलेपर की घोषणा

कोडैक एकटाक्रोम फिल्म के दोबारा इंट्रोडक्शन के बाद यूएस फोटोग्राफिक कंपनी ने एलान किया है कि वह अपनी खुद की स्लाइड डेवेलपिंग किट बेचना शुरू करेगी। यह एडवल ब्रांड के तले होगा। फोटो केमेस्ट्री के साथ कुछ समय तक एडवल जुड़ा हुआ था। नाम और ई-6 कैमेस्ट्री किट को प्रोड्यूस करने के अधिकार यूएस फोटोग्राफिक डिस्ट्रीब्यूटर ओमेगाब्रांड्स के पास हैं।

एडवल किट्स में डेवलेपर, कलर डेवलेपर और सिंगल ब्लीच/फिक्स सॉल्यूशन होगा। यह 946 एमएल और 3.8एल साइज में उपलब्ध होगा।

कंपनी दावा करती है कि केमिकल उपयोगकर्ताओं को डेवलेपमेंट समय और सॉल्यूशन के तापमान में फ्लेक्सिबिलिटी देता है बिना फिल्म में नकारात्मक प्रभाव डाले।

948 एमएल किट की कीमत 59.99 डॉलर की है और गैलो किट डॉलर 134.99 की है। अधिक जानकारी के लिए ओमेगाब्रांड्स की वेबसाइट देखें।

आइरिक्स ने की पुष्टि, इसके लेंस कैनन के ईओएस आर कैमरा के साथ हैं पूरी तरह से अनुकूल

स्विस लेंस निर्माता आइरिक्स ने कहा है कि कैनन ईएफ के साथ ईओएस आर अडैप्टर जोड़ने के बाद इसके लेंस पूरी तरह से कैनन ईओस आर के साथ अनुकूल हैं।

यह ऑफिशियल वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है। आइरिक्स के मुताबिक कैमरे से अपर्चर को कंट्रोल करना मुमकिन है। आइरिक्स ने अपने 11एमएम एफ4, 15 एमएम एफ2.4 और 150 एमएम एफ2.8 1:1 मैक्रो लेंस का जिक्र किया।

सिगमा ने फोटोशॉप के लिए जारी किया एक्स3एफ रॉ कन्वर्जन प्लगिन

सिगमा ने जारी किया है सिगमा एक्स3एफ प्लगिन फोटोशॉप के लिए। यह एक रॉ कन्वर्जन प्लगिन है जो कि इसके अपने फोविओन मेरिल और क्वाट्रो कैमरा से फाइल प्रोसेस करने के लिए है।

डीपीमेरिल और डीपी क्वाट्रो बड़े सेंसर कंपैक्ट यूज़ करने वाले और क्वाट्रो मिररलेस कैमरा शूट करने वाले एक्स3एफ फाइल फोटोशॉप में ला पाएंगे बिना सिगमा फोटो प्रो का प्रयोग किए।

एसडी1 और एसडी1 मेरिल कैमरा को भी सपोर्ट है। मैक और पीसी वर्जन दोनों के ही प्लगिन उपलब्ध हैं।

जैसे कि इसका नाम है- सिगमा एक्स3एफ प्लगिन फोटोशॉप के लिए, यह केवल एक्स3एफ फाइल ही सपोर्ट करता है। हालांकि एक्स3आई फाइल्स जो मल्टी शॉट सुपर फाइन डीटेल से बनी है इसमें सिगमा फोटो प्रो की जरूरत पड़ेगी। पुराने फोवियॉन कैमरे प्रयोग करने वाले अडोब कैमरा रॉ व एसपीपी ही यूज़ करें।

बजट कैमरे और डिजिटल एल्बम के साथ अग्फाफोटो ब्रैंड फिर लौटा

अग्फा-जिवैर्ट कैमरा स्पेस में एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता था। लेकिन डिजिटल विकास के साथ कदम नहीं मिला पाई कंपनी और 2004 में प्रबंधन ने इसे जर्मनी के अग्फाफोटो जीएमबीएच में ट्रांसफर कर दिया।

नई कंपनी का एक साल के भीतर ही दिवालिया हो गया। इन दिनों अग्फा ब्रैंड होल्डिंग फर्म अग्फाफोटो होल्डिंग जीएमबीएच से लाइसेंस है।

अग्फा-जिवैर्ट पूरी तरह से कंज्यूमर बिजनेस से विदा ले चुकी है और अब स्वास्थ्य और सूचन सिस्टम पर फोकस कर रही है।

अब अग्फाफोटो ब्रैंड कैमरे में वापसी कर रहा है। इस ब्रैंड को फ्रेंच इलेक्ट्रॉनिक्स सेलर जीटी कंपनी से लाइसेंस किया गया है। यह कंपनी तीन नए उत्पाद लॉन्च कर चुकी है: 21 एमपी डिजिटल कंपैक्ट कैमरा डीसी5200 लीथियम बैट्री के साथ।

डिजिटल इंस्टैंट कैमरा इंस्टा शॉप आइएस 210 कैप्चर व प्रिंट करता है 2.1"×3.4" इमेज डॉलर 113 यानी कि 99 यूरो में।

डिजिटल फोटो और डिजिटल वीडियो एल्बम जिसकी रेंज डिस्प्ले साइज में 2.4 से 10 है और स्टोरेज क्षमता 4000 फोटोज व 90 मिनट एचडी वीडियो है। इसकी कीमत डॉलर 45 से डॉलर 113 है। यानी कि करीब 39 यूरो से 99 यूरो तक।

निकॉन जापान ने डी5500 और डी7200 को औपचारिक रूप से किया बंद

जापान निकॉन की वेबसाइट के मुताबिक, निकॉन डी5500 और डी7200 डीएसएलआर को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया है।

डी5500 और डी7200 को जनवरी और मार्च 2015 में लॉन्च किया गया था। डी5500 ऐसा पहला निकॉन डीएसएलआर था जिसमें टचस्क्रीन था। यह देखना दिलचस्प होगा कि निकॉन अपने क्रॉप सेंसर डीएसएलआर में कितना निवेश करता है।

लूपीडेक ने फोटोशॉप सीसी 2019 को जोड़ा ताकि आधुनिक एडिटिंग को सपोर्ट कर सके

लूपीडेक ने घोषणा की है कि इसके लूपीडेक+ एडिटिंग कंसोल अब फोटोशॉप सीसी 2019 को सपोर्ट करते हैं।

यह नया सपोर्ट लूपीडेक के उपयोगकर्ताओं से मिली प्रतिक्रिया के बाद का फैसला है।

अब इस नए सपोर्ट के बाद फोटोशॉप सीसी 2019 यूजर्स अपनी इमेज सॉफ्टवेयर और लूपीडेक+ कंसोल से एडिट कर सकेंगे।

किपॉन की मीडियम फॉर्मेट लेंस अडैप्टर रेंज

चाइना की ऑप्टिक्स निर्माता कपनी किपॉन ने निकॉन जेड और कैनन आर को मीडियम फॉर्मेट से फुल फ्रेम कैमरा अडैप्टर

रेंज में जोड़ा है।

कंपनी दावा करती है कि अडैप्टर ऑप्टिक्स से क्रॉप फैक्टर को हटाता है। यह फुल फ्रेम और मीडियम फॉर्मेट सिस्टम के इमेजिंग एरिया के अंतर को कंपनसेट करता है।

पैनासॉनिक एलएक्स100 II : बढ़िया इमेज क्वालिटी

पैनासॉनिक एलएक्स 100 II एक 17 मेगापिक्सल जूम कंपैक्ट है जिसमें 24-75 एमएम है जो कि एफ1.7-2.8 लेंस कि समान है। यह सेंसर के तीन चौथाई का 85 फीसद हिस्सा प्रयोग करता है।

मार्क I के जैसे ही, एलएक्स 100 II में है बाहर के कंट्रोल प्वाइंट्स। अब इसमें टचस्क्रीन भी है जो कि एएफ प्वाइंट जैसे प्रोसेस को तेज स्पीड देती है।

ओलंपस का नया मिररलेस कैमरा जनवरी में होगा लॉन्च

ओलंपस ने एक टीज़र वीडियो पोस्ट किया है। यह एक हाई-एंड मिररलेस कैमरे का है जो कि कंपनी 24 जनवरी को कंपनी लॉन्च कर सकती है।

Unique Albums
Lucknow

Photobook Albums

Flat Binding PhotoBook

Karizma Albums

Pendrive box,
Table Calender,
Mini Book (20sheet),
Hard box with Photo

ALL UNDER ONE ROOF

Wide Range of Covers

Manufacturer of Led Frame,Normal & Special Frame's

Indigo Album,Flat Album, Photo Paper Album

30 Inches Enlargement Machine

On Line Album
&
Easy Uploading Software

Customized Covers,Box & Combo

Starter Led Frame

Cut Out Frame

Glossy Lamination with Farme

Starter Led Frame

Double Frame

Starter Led Frame

Glass Mount Frame

hp Indigo

यूनीक कलर लैब के साथ जुड कर कमाएं पैसा पहली बार कम्पनी दे रही हैं ऐसा मौका

यूनीक कलर लैब प्लान कर रही हैं हर जिले में डीलर बनाने का ।

(जिले का लाभ डीलर को)

Head Office :- 92/212 Maharaja Hotel Building Behind Mohan Hotel charbagh Lucknow

Mob. 9956409190 , 8009900917 , 8009900922 Ph- 0522-4022694

email. tilakphotos@gmail.com,uniquecolourlab@gmail.com

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।

सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in